

SANSARA SAGARASYA NAYAKA

SUBJECT : SANSKRIT

CHAPTER NO 8

CHAPTER NAME:SANSARA SAGARASYA NAYAKA

PPT 2



CHANGING YOUR TOMORROW

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org

Toll Free: **1800 120 2316**

Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

संसारसागरस्य नायकाः

Expected Learning Outcome

- १ . नुतनज्ञानकौशलस्य अभिवर्धनम् ।
- २ . नवनिर्मित प्रविधिः विकसितः ज्ञानम् ।

पूर्वपाठस्य आलोचना –

- १ . अज्ञातवामनः के ?
- २ . कः गजधरः ?
- ३ . कः सहसैव शून्यात् न प्रकटीभुताः

अद्य ये अज्ञातनामानः वर्तन्ते, पुरा ते बहुप्रथिताः आसन्।
अशेषे हि देशे तडागाः निर्मायन्ते स्म, निर्मातारोऽपि अशेषे देशे
निवसन्ति स्म।

गजधरः इति सुन्दरः शब्दः तडागनिर्मातृणां सादरं स्मरणार्थम्।
राजस्थानस्य केषुचिद् भागेषु शब्दोऽयम् अद्यापि प्रचलति। कः
गजधरः? यः गजपरिमाणं धरयति स गजधरः। गजपरिमाणम्
एव मापनकार्ये उपयुज्यते। समाजे त्रिहस्त-परिमाणात्मिकीं
लौहयष्टिं हस्ते गृहीत्वा चलन्तः गजधराः इदानीं शिल्पिरूपेण
नैव समादृताः सन्ति। गजधरः, यः समाजस्य गाम्भीर्यं मापयेत्
इत्यस्मिन् रूपे परिचितः।

सरलार्थ: आज जो अपरिचित नाम वाले हैं अर्थात् जिन्हें कोई नहीं जानता, पहले वे बहुत प्रसिद्ध थे। निश्चय से सम्पूर्ण देश में तालाब बनाए जाते थे, बनाने वाले भी सम्पूर्ण देश में रहते थे। गजधर यह सुन्दर शब्द तालाब बनाने वालों (निर्माताओं) के सादर स्मरण के लिए है। राजस्थान के कुछ भागों में यह शब्द आज भी प्रचलित है। गजधर कौन होता है? जो गज के माप को धारण करता है वह गजधर होता है। गज का माप ही नापने के काम में उपयोगी होता है। समाज में तीन हाथ के बराबर (नाप वाली) लोहे की छड़ को हाथ में लेकर चलते हुए गजधर आजकल कारीगर के रूप में आदर नहीं पाते हैं। गजधर अर्थात् जो समाज की गम्भीरता (गहराई) को नापे (नाप ले), इसी रूप में जाने जाते हैं।

शब्दार्थः	भावार्थः
अद्य	आज।
बहुप्रथिताः	बहुत प्रसिद्ध।
अशेषे	सम्पूर्ण।
निर्मायन्ते स्म	बनाए जाते थे।
निर्मातारः	बनाने वाले।

मापनकार्य	नापने के कार्य में।
उपयुज्यते	उपयोग किया जाता है।
त्रिहस्तपरिमाणाल्मिकीम्	तीन हाथ के नाप की।
लीहयष्टिम्	लोहे की छड़।
चलन्तः	चलते हुए।
समादृताः	आदर को प्राप्त।
गाम्भीर्यम्	गहराई।
मापयेत्	नाप ले।

-
१. तुमन समाजस्य मनसि का जिज्ञासा अभूत् ?
 २. तहागान् के रचयन्ति स्म ?
 ३. अशेषं देशे किं निर्मियन्ते स्म ?
 ४. गजधरः केषां अर्थे स्मरणार्थम् ?
 ५. कस्मिन् राज्ये गजधरः शब्दः प्रचलति ?

प्रकृतिप्रत्यय – आहत्य, अद्भुता, कर्तुम्, रचयिता, भिन्न

गृहकर्म -पञ्च सन्धि पञ्चप्रकृतिप्रत्ययं च लिखित ।

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

CHANGING YOUR TOMORROW

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org

Toll Free: **1800 120 2316**
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024